

## केंचुआ-खाद क्या है ?

- केंचुआ खाद , जैविक खाद उत्पादन करने की एक प्रक्रिया है। केंचुआ द्वारा अपघटनशील व्यर्थ कार्बनिक पदार्थों के पाचन के बाद उत्सर्जित मल को केंचुआ खाद कहते हैं।
- *Eudriluseuginea*, एक खाद -केंचुआ है जो क्षय पदार्थों को भोजन के रूप में उपयोग करता है । यह ऊपरी-मिट्टी के 6 इंच नीचे तक रह सकता है लेकिन अपने अस्तित्व के लिए मिट्टी के ऊपरी कार्बनिक क्षय पदार्थों पर निर्भरशील होता है।
- केंचुआ-खाद सभी बुनियादी पोषक तत्वों अर्थात N, P, K एवं अन्य तत्वों से परिपूर्ण एक उच्च गुणवत्ता वाले जैविक खाद है।

## दियारा गांव का एक किसान

मो० काज़िम अलि, एक रेशम उत्पादक किसान होने के साथ ही सभी मौसमी फसलों की खेती करते हैं। वे रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करने के बजाय अपने ही खेत के कच्चे माल से तैयार केंचुआ -खाद पर अधिक निर्भर रहते हैं। उनके कथनानुसार एक चक्र से 20 क्विंटल केंचुआ खाद प्राप्त होता है और वे वर्ष के दौरान 5 चक्रों में केंचुआ-खाद का उत्पादन करते हैं। उनके द्वारा वर्णित केंचुआ-खाद बनाने की पद्धति इस प्रकार है:



## केंचुआ-खाद बनाने विधि:

1. **स्थान का चयन:** छायादार, बाढ़ रहित, जल स्रोत के निकट, ठंडा तापमान और सामग्री स्रोत के निकट स्थान चुना जाना चाहिए।
2. **बिस्तर तैयारी:**
  - 40'x12' आकार का एक शेड का निर्माण करें जिसका छत घास-फूस से बना हो।
  - 10' x 3.5' x 1' आकार का केंचुआ-बिस्तर तैयार करें और बीच में 2' का एक संकीर्ण मार्ग का निर्माण करें।
3. **सामग्रियों का संग्रहण (दिन-1):**
  - **कार्बन स्रोत:** रेशमकीट पालन से प्राप्त अवशेष, कृषि अवशेष, पपीता और केलेके पत्ते एवं तना, घास, तथा इसके डंठलको इकट्ठा करें।
  - **नाइट्रोजन स्रोत:** गोबर का घोल



## केंचुआ-खाद तैयार करने की पद्धति:

1. **अवायवीय (अनएरोबिक) चरण (दिन 2-15):**

एकत्र सामग्रियों में गोबर घोल को मिलाये। अगर यह सुखा रह जाए तो इस पर हल्का पानी का छिड़काव करें। इस के बाद इसे एक बड़े बर्तन में रख कर मजबूती से बंद कर दें या बोरी में बाँध कर छायादार जगह में 10-15 दिन के लिये रखें।



## 2. एरोबिक चरण (दिन 16-45):

अनएरोबिक-विघटित सामग्रियों से 4 इंच मोटा बिस्तर तैयार करें और उसमें केंचुआ को छोड़ दें। यदि ऊपरी सतह सूखा हो तो हल्के जल का छिड़काव करें ताकि तापमान को ठंडा रखा जा सके।



## 3. प्रवासन

अगर 80-90% सामग्रियों को केंचुआ चर या विघटित कर चुका हो, उन केंचुआ को दूसरी जगह या नई बैग जिसमें अनएरोबिक -विघटित सामग्रियों हो उसमें स्थानान्तरित कर दें।



## 4. तैयारकेंचुआ-खाद(दिन 50-60):

केंचुआ द्वारा 90% कार्बनिक पदार्थ खा लेने के पश्चात उसे पुनराय भक्षण हेतु एकत्रित कार्बनिक पदार्थ में छोड़ दें और केंचुआ-रहित खाद को उपयोगार्थ संग्रहित कर लें। आवश्यकतानुसार बचें केंचुआ को हाथ से अलग कर लें। इस दौरान पानी का उपयोग एक हफ्ते पहले से बंद कर दें।



#### 5. भंडारण एवं खेत में उपयोग

केंचुआ-खादकी 30% तक नमी खुली हवा में सुखा दें। इस के बाद प्लास्टिक बैग में बाँध कर बेच सकते हैं या फिर अपने खेत में प्रयोग कर सकते हैं।

#### काजिम अली के केंचुआ-खाद का अर्थशास्त्र:

एक अस्थाई शेड का निर्माण एवं एक चक्र के प्रारंभिक परिचालन में लागत का अनुमान

क्र. सं.	व्यौरा	मात्रा	दर (₹.)	रकम (₹.)
1.	शेड (40'x12') एवंकेंचुआ-बिस्तर(10'x3.5'x1')	1	20000	20000
2.	केंचुआ की लागत (प्रारंभिक आवश्यकता)	2000	50 पैसे प्रति केंचुआ	1000
3.	गोबर (आवश्यक होने पर, ₹. 100 प्रति क्विंटल)	स्वयं के खेत से	-	-
4.	मजदूर	40 श्रम दिन	200	8000
5.	सामग्रीयाँ	स्वयं के खेत से	-	-
6.	अन्य खर्च	-	-	-
कूल व्यय				29,000/-

➤ केंचुआ-खाद का विक्रय मूल्य: ₹.1000प्रति क्विंटल

➤ केंचुआ का विक्रय मूल्य: 50 पैसे प्रति केंचुआ

#### केंचुआ-खाद इकाई की अर्थव्यवस्था

चक्र/वर्ष	1	2	3	4	5
मूल्य (₹.)	29000	8000	8000	8000	8000
विक्रय (₹.)	20000	20000	20000	20000	20000
लाभ (₹.)	-9000	12000	12000	12000	12000

(ध्यान दें: यह 5 चक्रप्रति वर्ष दोहराया जाता है)

जानकारी के लिए निम्न किसानों से संपर्क करें  
मुर्शिदाबाद:

1. मो० काजिम अलि, दियारा, मो. 9593157411
2. राकिया सिद्दीकी, दोम्कल, मो. 9083698176

अधिक जानकारी के लिये संपर्क करें

केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान  
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय,

बहरमपुर, मुर्शिदाबाद -742 101

दूरभाष सं. 03482-251046; EPABX: 253962/63/64

फैक्स: +91-3482-251233

ई-मेल: csrtiber@gmail.com/csrtiber.csb@nic.in

वेबसाइट: www.csrtiber.res.in



प्रकाशन: डॉ कणिका त्रिवेदी, निदेशक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान  
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, बहरमपुर -  
742101, मुर्शिदाबाद (प. ब.)

संपादन: श्री एन. बी. कर, डॉ एस. चट्टोपाध्याय, श्री देबोजित दास, श्री आर. बी. चौधरी, श्री तापस कुमार मैत्र एवं श्री बिपद कर्मकार

मुखपृष्ठ व परिकल्पना: श्री एन. बी. कर एवं श्री तापस कुमार मैत्र



# “केंचुआ-खाद”

तैयारी करने की आसान विधि



## संकलन

शफी अफरोज, वैज्ञानिक-बी  
डा. शुभ्रा चंदा, वैज्ञानिक-डी  
श्री अशोक साहू, तकनीकी सहायक  
डा. कणिकात्रिवेदी, निदेशक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान  
बहरमपुर - 742101, मुर्शिदाबाद (प. ब.)